*उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण - ति 2: 2015-16 से ति 1: 2016-17**

1. परिचय

भारतीय रिज़र्व बैंक जून 2010 से तिमाही आधार पर परिवारों का उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण (सीसीएस) करता रहा है। सर्वेक्षण आर्थिक स्थिति, आय, खर्च, मूल्य और रोजगार के अवसर आदि से संबंधित प्रश्नों के गुणवत्तापूर्ण उत्तर (प्रतिक्रियाएं) प्रस्तुत करते हैं। **सर्वेक्षण के निष्कर्ष उत्तर देने वालों के विचारों पर आधारित होते हैं और यह आवश्यक नहीं कि उसमें रिज़र्व बैंक के विचार शामिल हों।** प्रतिक्रियाओं को दो भागों में प्राप्त किया जाता है अर्थात् एक वर्ष पूर्व की तुलना में वर्तमान स्थिति और एक वर्ष आगे की प्रत्याशाएं। सीसीएस के तिमाही निष्कर्ष रिज़र्व बैंक की वेबसाइट पर नियमित रूप से जारी किए जाते हैं। इस लेख में सर्वेक्षण की एक लंबी अवधि के विश्लेषण प्रस्तुत किए गए हैं, जिसमें पिछली चार तिमाहियों के दौर (ति2:2015-16 से ति1:2016-17तक) के सर्वेक्षणों पर ध्यान दिया गया है।

2. नमूना कवरेज और सर्वेक्षण प्रश्नावली

सर्वेक्षण छह महानगरों में किया गया था अर्थात्- बेंगलूरू, चेन्नै, हैदराबाद, कोलकता, मुंबई और नई दिल्ली। सर्वेक्षण के प्रत्येक चक्र में 5, 400 प्रतिक्रियादाताओं का चयन किया गया था (प्रत्येक शहर से 900 प्रतिक्रियादाता)। सर्वेक्षण में दो चरणों के नमूना डिज़ाइन को अपनाया गया है। पहले चरण में शहर में, विभिन्न विधानक्षेत्रों को क्रमानुसार रखने के बाद व्यवस्थित सैंपलिंग स्कीम का उपयोग करते हुए मतदान केंद्रों का चयन किया गया था। बड़े भूभाग को कवर करने के लिए पूरे शहर के 45 मतदान केंद्रों का चयन किया गया था। दूसरे चरण में, प्रत्येक चयनित मतदान केंद्र से, दायां-हाथ-नियम का पालन करते हुए 20 प्रतिक्रियादाताओं का चयन किया गया था। 2014-15 की चौथी तिमाही से, आवश्यक एवं अनावश्यक वस्तुओं पर व्यय तथा परिवारों की वर्तमान वित्तीय स्थिति से संबंधित सूचना भी प्राप्त की जा रही है।

3. सर्वेक्षण परिणाम

सर्वेक्षण के परिणाम प्रत्येक चर के हिसाब से उन पर प्राप्त कुल प्रतिक्रिया (सकारात्मक और नकारात्मक दृष्टिकोणों के बीच का अंतर) के अनुसार दिए गए हैं। चुनिंदा चरों पर निवल प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए दो सारांश सूचकांक अर्थात् वर्तमान स्थिति सूचकांक और भावी प्रत्याशा सूचकांक संयुक्त रूप से तैयार किए गए हैं। इस लेख में, वर्तमान का प्रयोग एक वर्ष पहले की तुलना में वर्तमान स्थिति तथा भावी का प्रयोग एक वर्ष आगे की अवधि की प्रत्याशाओं के लिए किया गया है।

3.1 आर्थिक स्थिति

वित्तीय वर्ष 2014-15 (अप्रैल-मार्च) के दौरान प्रतिक्रियाओं के परिदृश्य के अनुसार वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों में धीरे- धीरे सुधार के संकेत दिखाई दे रहे थे, वे 2015-16 की दूसरी तिमाही तक अधिक सुधार होते गए। उसके बाद वर्तमान आर्थिक स्थितियों की निवल प्रतिक्रियाओं में धीरे- धीरे सुधार होता गया। वर्तमान आर्थिक परिस्थितियो में जिन्होंने सुधार होने का दर्ज किया था उसके अनुपात में पिछली चार तिमाहियों में धीरे- धीरे सुधार पाया गया और 2016-17 की पहली तिमाही तक यह सुधार 40.2 प्रतिशत पर पहुँच गया (सारणी 1)।

व्यापक रूप से भावी आर्थिक परिस्थितियों पर दर्शायी गयी प्रतिक्रियाओं का परिदृश्य पहले की तरह बना रहा। वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों के संबंध में जो परिदृश्य थे उससे काफी बेहतर भावी आर्थिक परिस्थितियां बनी रहने की आशा जताई गयी है (चार्ट 1)।

---

* सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक, नई दिल्ली के निगरानी और अनुसंधान इकाई द्वारा तैयार किया गया है। सर्वेक्षण का अद्यतन दौर (जून 2016) के आंकड़े को मौद्रिक नीति विवरण के साथ 9 अगस्त 2016 को रिज़र्व बैंक के वेबसाइट पर जारी किया गया था। इस विषय पर पिछला वार्षिक लेख रिज़र्व बैंक के सितंबर 2015 के बुलेटिन में प्रकाशित किया गया था।

चार्ट 1: आर्थिक स्थिति के संबंध में निवल प्रतिक्रिया

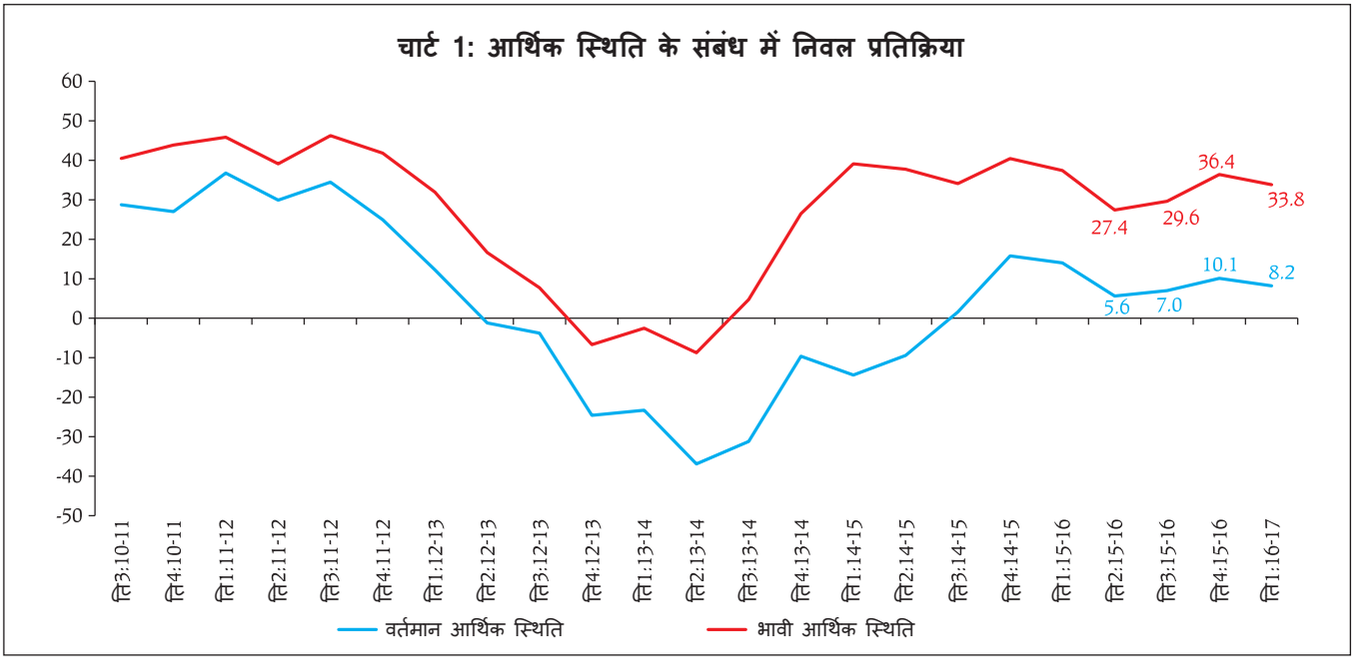

3.2 आय

वर्तमान आय के संबंध में प्रतिक्रियादाताओं का जो दृष्टिकोण था उसमें वित्तीय वर्ष 2014-15 की दूसरी छमाही से गिरावट देखी गई । लेकिन, 2015-16 की चौथी तिमाही से उसमें कुछ सुधार पाया गया था। भावी आय के संबंध में भी यही परिदृश्य पाया गया था। प्रतिक्रियादाताओं की अपेक्षा के अनुपात में आगामी एक वर्ष में आय में वृद्धि होने की संभावना है जो 2015-16 की दूसरी तिमाही में 47.1 प्रतिशत थी से बढ़कर 2016-17 की पहली तिमाही में 51.2 प्रतिशत तक होने की संभावना है (सारणी 2)। भावी आय की तुलना में वर्तमान आय के संबंध में जो संभावना थी वह लगातार कम रही जिससे दो तिमाहियों के बीच का अंतर बढ़ता गया (चार्ट 2)।

चार्ट 2: आय के संबंध में निवल प्रतिक्रिया

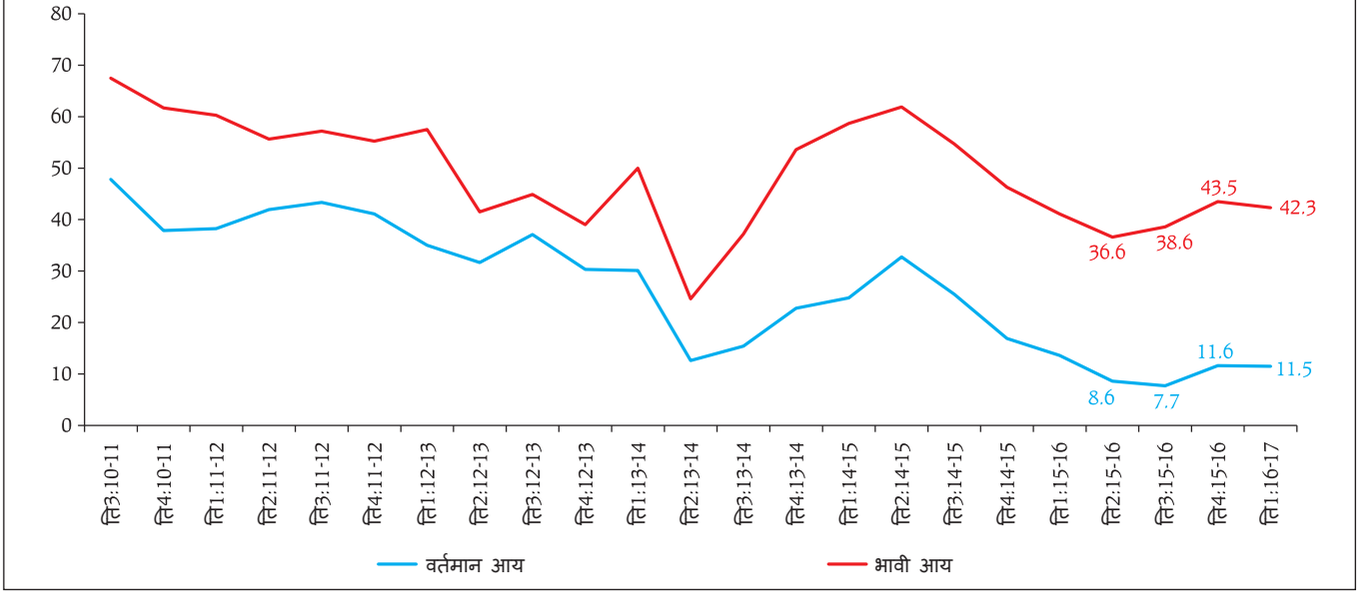

चार्ट 3: खर्च के संबंध में निवल प्रतिक्रिया

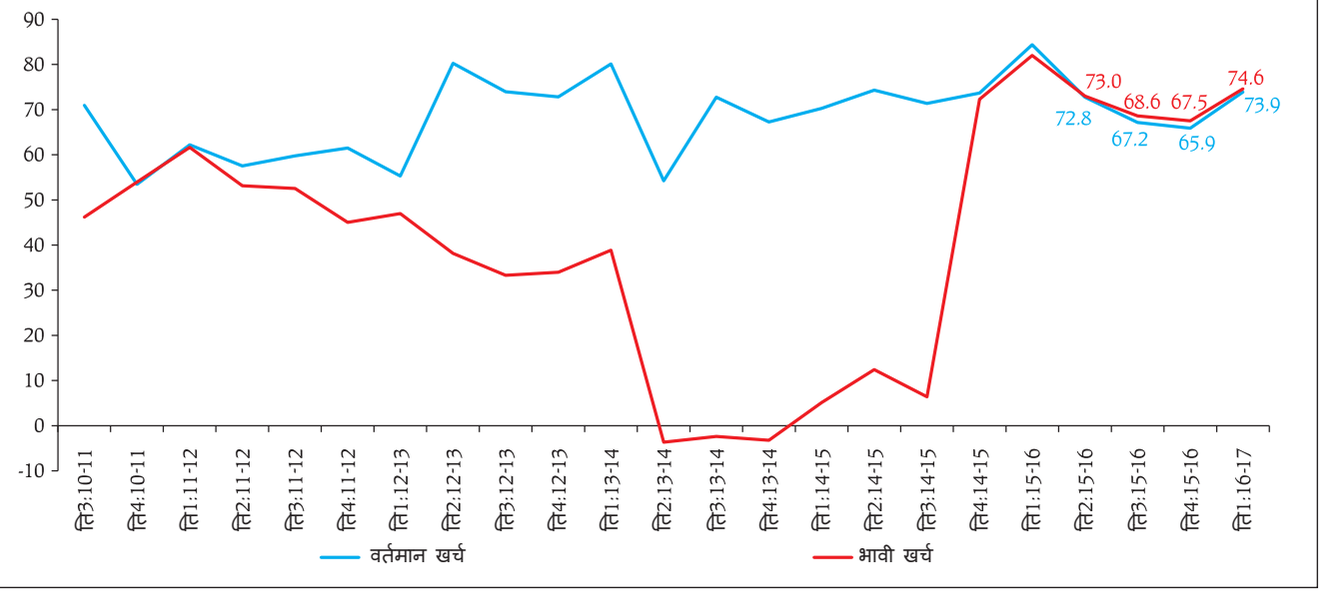

3.3 खर्च

हाल की अवधि में उपभोक्ताओं के खर्चे बढ़ने की आशंका जताई गई है। फिर भी, "वर्तमान" तिमाही में खर्चे बढ़ने के संबंध में जो निवल प्रतिक्रिया जताई गई थी वह 2015-16 की दूसरी तिमाही में 72.8 प्रतिशत से घटकर 2015-16 की चौथी तिमाही में 65.9 प्रतिशत हो गई है, फिर भी 2016-17 की पहली तिमाही में यह खर्चे 73.9 प्रतिशत तक बढ़ने की आशंका जताई गई है। 2014-15 की चौथी तिमाही में अधिक वृद्धि होने के कारण वर्तमान व्यय के समान भावी व्यय बढ़ने की जो आशंका जताई गई थी वह बहुतांश समान रही (सारणी 3 और चार्ट 3)।

2014-15 की चौथी तिमाही से आवश्यक और अनावश्यक मदों में किये गये व्यय का वर्गीकरण करने के बाद यह पाया गया है कि समग्र व्यय के समान आवश्यक खर्चों पर अधिक व्यय किये गये है (सारणी 4)। उल्लेखनीय बात यह है कि 2015-16 के चौथी तिमाही को छोड़कर पिछले चार तिमाहियों के दौरान गैर-आवश्यक मदों पर किये गये व्यय में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है (सारणी 5)। यह भी नोट किया जाए कि अधिक खर्चे होने के कारण उपभोक्ता वस्तुएं तथा सेवाओं के मूल्य भी तेज़ी से बढ़ गए हैं।

3.4 मूल्य स्तर और मुद्रास्फीति के बारे में दृष्टिकोण

उपभोक्ताओं का दृष्टिकोण था कि अनुवर्ती अवधियों में उभरते मूल्य के साथ मूल्य स्तर लगातार नकारात्मक रहेगा। फिर भी, एक वर्ष पहले की कीमतों के साथ प्रतिक्रियाओं द्वारा रिपोर्ट किए गए मूल्यों के साथ की गई तुलना से 2014 -15 की दूसरी तिमाही के दौरान 90 प्रतिशत से घटकर 2016-17 की पहली तिमाही में 78.1 प्रतिशत हुई है (सारणी 6)। उसी प्रकार, वर्तमान मूल्य स्तर के सबंध में निवल प्रतिक्रियाएं निराशावादी रही लेकिन 2014-15 की दूसरी तिमाही के साथ की गई तुलना में कम थी (चार्ट 4)। एक वर्ष पहले के मूल्य

चार्ट 4: मूल्य स्तर पर निवल प्रतिक्रिया

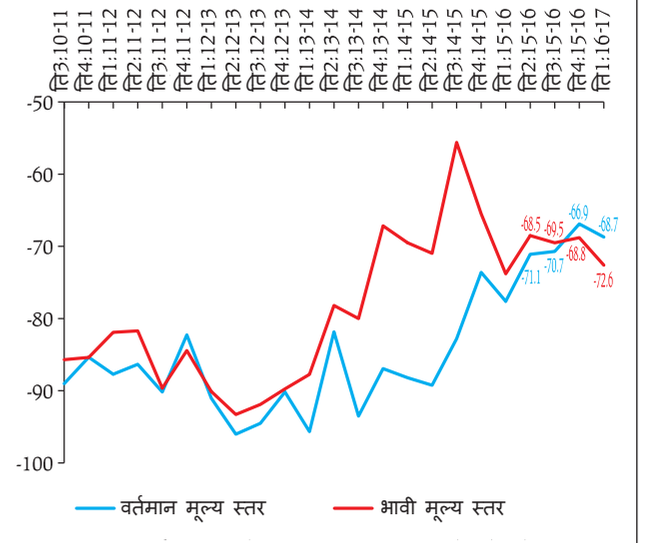

टिप्पणी: मूल्यों में वृद्धि/कमी से संबंधित दृष्टिकोण को नकारात्मक/सकारात्मक संवेदना माना गया है।

चार्ट 5: मूल्य स्तरों में परिवर्तन-दर के संबंध में निवल प्रतिक्रिया

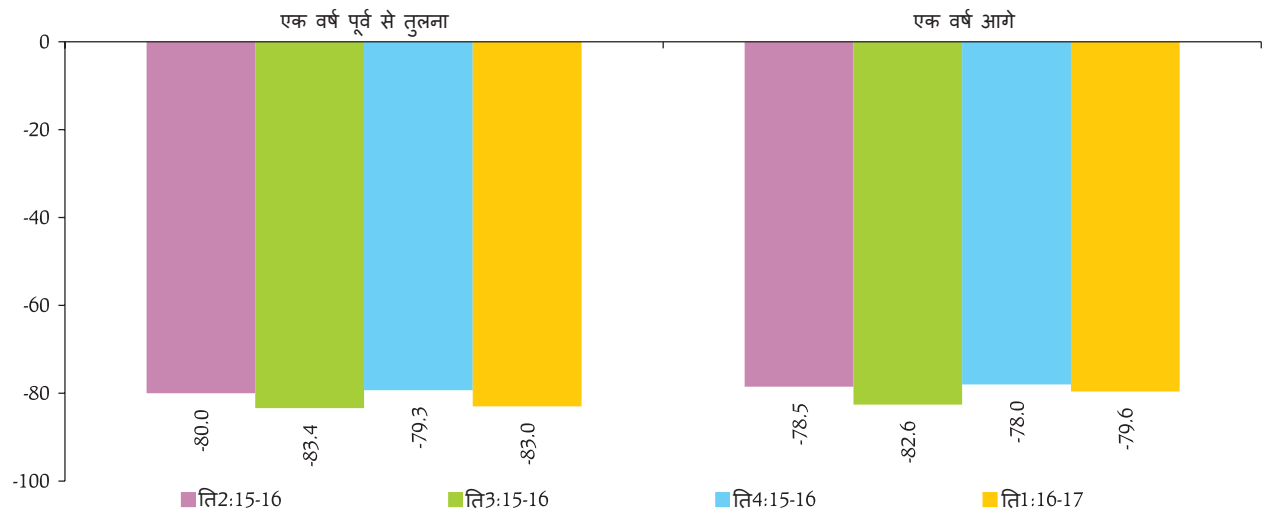

टिप्पणी:- मूल्यों में वृद्धि/कमी से संबंधित दृष्टिकोण को नकारात्मक/सकारात्मक संवेदना माना गया है।

स्तर के साथ 2014-15 की तीसरी तिमाही की अवधि में कोई सुधार नहीं पाया गया। 2015-16 की दूसरी तिमाही से 2016-17 की पहली तिमाही के बीच किए गए सर्वेक्षण से लगभग 80 प्रतिशत प्रतिक्रियाओं में वर्ष-दर-वर्ष लगभग 80 प्रतिशत की वृद्धि अपेक्षित है । 2015-16 की पहली तिमाही से वर्तमान और भावी मूल्य स्तर में अंतर कम होता दिखाई दे रहा है।

प्रतिक्रियादाताओं, जिन्होंने कीमतों के स्तर में वृद्धि होना रिपोर्ट की थी/वृद्धि होने की संभावना व्यक्त की थी, से आगे एक वर्ष पहले की तुलना में (वर्तमान तिमाही) वर्तमान अवधि में कीमत वृद्धि (मुद्रास्फीति) दर के बारे में उनकी राय (संभावना) जानी गयी। यह पाया गया है कि अधिकांश प्रतिक्रियादाताओं ने यह आकलन किया था कि 2015-16 में मुद्रास्फीति पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में अधिक रहेगी (सारणी 7,चार्ट5) । उसी प्रकार, 2015-16 की समान तिमाही से 2016-17 की विभिन्न तिमाहियों में हाउसहोल्ड ने मुद्रास्फीति अधिक कम न होने की संभावना भी जताई थी।

3.5 रोज़गार

2014-15 की तीसरी तिमाही से वर्तमान और भावी अवधि दोनों की रोज़गार संबंधी आशा कम हो गई है (सारणी 8)। 2015-16 की दूसरी तिमाही से 2016-17 की पहली तिमाही के बीच सर्वेक्षण दौर में वर्तमान रोजगार स्थिति के संबंध में प्रतिक्रियादाताओं के मूल्यांकन (सुधारित/अपरिवर्तित/बिगड़े हुए) लगभग एकसमान रूप से विभाजित पाए गए परिणामस्वरूप निवल प्रतिक्रियाएं कुछ नहीं (यथास्थिति दर्शायी गयी थी) के नजदीक थीं। रोजगार संबंधी एक वर्ष आगे का दृष्टिकोण अधिक आशावादी रहा। 2015-16

चार्ट 6: रोजगार दृष्टिकोण संबंधी निवल प्रतिक्रिया

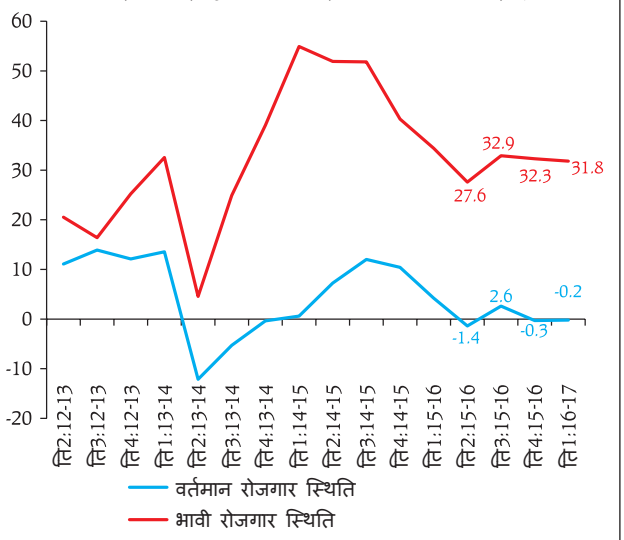

टिप्पणी: वर्तमान रोजगार दृष्टिकोण की प्रतिक्रिया ति2:2012-13 से प्राप्त की थी। वर्तमान रोजगार दृष्टिकोण की प्रतिक्रिया ति2:2012-13 से प्राप्त की थी।

की तीसरी तिमाही तक इस स्थिति में कुछ सुधार पाया गया (चार्ट 6)। फिर भी, 2014-15 की पहली छमाही के बाद वर्तमान दृष्टिकोण और भावी परिदृश्य के बीच का अंतर कम पाया गया है।

3.6 आय बनाम खर्च और मुद्रास्फीति बनाम खर्च

लगभग एक चौथाई प्रतिक्रियादाताओं ने रिपोर्ट किया था कि वर्तमान खर्चों में बढ़ोत्तरी होगी और लगभग चार तिमाहियों में वर्तमान आय में वृद्धि होगी। आगे, प्रतिक्रियादाताओं द्वारा व्यक्त की गई रिपोर्ट के अनुसार पिछली चार तिमाहियों में वर्तमान खर्चों में वृद्धि हुई लेकिन वर्तमान आय में कमी हुई। उसी प्रकार, लगभग 40-43 प्रतिशत प्रतिक्रियादाताओं की अपेक्षा थी कि भावी खर्चे में वृद्धि होगी, साथ ही साथ भावी आय में भी वृद्धि होगी। फिर भी, अपेक्षित अधिक भावी खर्चे के हिस्से से भावी आय के प्रतिशत में 6.6 प्रतिशत और 7.7 प्रतिशत का अंतर पाया है (सारणी 9)।

खर्च संबंधी दृष्टिकोण के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए पिछले चार दौर में मुद्रास्फीति और खर्च संबंधी प्रतिक्रियाओं की तुलनात्मक सारणी का परिकलन किया गया है। इन प्रतिक्रियाओं के विश्लेषण से पता चलता है कि लगभग 74-79 प्रतिशत प्रतिक्रियादाताओं जिन्होंने अधिक वर्तमान खर्च सूचित किया है, ने वर्तमान ऊंची महंगाई भी सूचित किया है। उसी प्रकार, 72-77 प्रतिशत प्रतिक्रियादाताओं ने भावी खर्च में वृद्धि होने और भावी मुद्रास्फीति में भी वृद्धि होने की अपेक्षा रखी है (सारणी 10)।

3.7 उपभोक्ता विश्वास सूचकांक

3.7.1 वर्तमान स्थिति सूचकांक (सीएसआई) और भावी अपेक्षित सूचकांक (एफईआई)

उपभोक्ता विश्वास के सूचकांकों का परिकलन आर्थिक स्थितियों, आय, खर्च, रोजगार की स्थितियों और मूल्य स्तरों के संबंध में निवल प्रतिक्रियाओं का उपयोग करते हुए (कार्यप्रणाली के लिए अनुबन्ध में) किया गया है। वर्तमान स्थिति सूचकांक (सीएसआई) और भावी अपेक्षित सूचकांक (एफईआई) दोनों सूचकांक 2014-15 की चौथी तिमाही में उच्चस्तर पर पहुँचने के बाद 2015-16 की दूसरी तिमाही तक उसमें गिरावट आती गयी। यह पाया गया है कि 2014-15 की चौथी तिमाही से 2016-17 की पहली तिमाही के बीच मूल्य स्थिति में सुधार होने के बावजूद, तीन कारकों अर्थात् सामान्य आर्थिक परिस्थितियों, आय और रोजगार की स्थिति खराब होने से सीएसआई में गिरावट हुई । उसी अवधि के दौरान खर्चों को छोड़कर सभी मानदंडों द्वारा भावी अपेक्षित सूचकांक (एफईआई) में गिरावट हुई (चार्ट 7)।

चार्ट 7: वर्तमान स्थिति सूचकांक और भावी प्रत्याशा सूचकांक

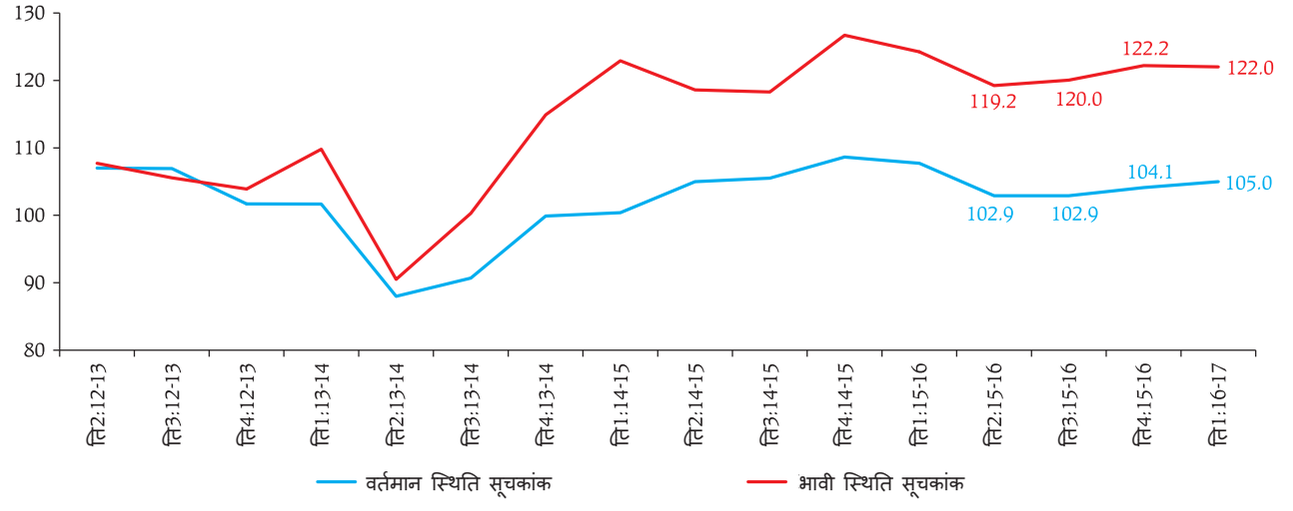

टिप्पणी: ति2: 2012-13 से पहले, सीएसआई आर्थिक स्थिति, आय, व्यय और मूल्य स्तर पर आधारित था। वर्तमान अवधि के लिए रोजगार परिदृश्य संबंधी दृष्टिकोण ति2: 2012-13 से पहले प्राप्त नहीं किया गया था। तुलना योग्य आंकड़े के मामले में सीएसआई एवं एफईआई का पुनर्परिकलन किया गया है और पूर्व में प्रकाशित आंकड़ों से मेल नहीं खाता।

3.7.2 अनुमानों की गुणवत्ता

बूटस्ट्रैप कार्यप्रणाली का उपयोग करते हुए सीएसआई और एफईआई के विश्वास अंतराल का अनुमान लगाया जाता है। सिम्पल रैंडम सैंपलिंग विद रिप्लेसमेंट (एसआरएसडब्ल्यूआर) के माध्यम से चुने गए 10, 000 पुन: नमूने के आधार पर सीएसआई और एफईआई हेतु 99 प्रतिशत बूटस्ट्रैप विश्वास अंतराल सारणी 12 में दिए गए हैं। सीमित विश्वास अंतराल (1.8 से 2.0 के बीच) सीएसआई और एफईआई के अनुमानों की तीव्रता दर्शाता है।

3.8 सारांश

2015-16 की दूसरी छमाही में आर्थिक स्थिति के विचारों के साथ आय और रोजगार संबंधी विचारों में भी काफी सुधार पाया गया। दूसरी ओर खर्चे के संबंध में 2015-16 की दूसरी छमाही में सकारात्मक सोच में कमी पायी गयी थी लेकिन 2016-17 की पहली तिमाही में इसमें काफी सुधार पाया गया। यह भी पाया गया है कि अधिक खर्चे इसलिए बढ़ गए क्योंकि मुद्रास्फीति भी बढ़ गई है। 2014-15 की दूसरी छमाही से वर्तमान अवधि तक मूल्य स्तर में सुधार पाया गया। फिर भी, भावी प्रत्याशाओं के संबंध में कोई सुधार दिखाई नहीं दे रहा है। भावी आर्थिक स्थिति, आय और रोजगार परिदृश्य में पहले जैसा, वर्तमान स्थिति सूचकांक और भावी प्रत्याशा सूचकांक 2014-15 की चौथी तिमाही में उच्च स्तर पर होने के बाद 2015-16 की पहली छमाही तक घट गया था लेकिन उसके बाद से सुधार के आसार दिखाई दिये।

अनुबंध 1- आंकड़ा सारणी

सारणी 1: आर्थिक स्थिति के संबंध में मत

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

	1 वर्ष पूर्व से तुलना				1 वर्ष आगे			
	ति2:15-16	ति3:15-16	ति4:15-16	ति1:16-17	ति2:15-16	ति3:15-16	ति4:15-16	ति1:16-17
वृद्धि	36.5	38.0	39.9	40.2	47.7	51.0	54.6	54.2
समान	32.7	30.9	30.3	27.9	32.1	27.6	27.2	25.5
गिरावट	30.9	31.1	29.8	31.9	20.3	21.4	18.2	20.4
निवल प्रतिक्रिया	**5.6**	**7.0**	**10.1**	**8.2**	**27.4**	**29.6**	**36.4**	**33.8**

सारणी 2: आय के संबंध में दृष्टिकोण

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

	1 वर्ष पूर्व से तुलना				1 वर्ष आगे			
	ति2:15-16	ति3:15-16	ति4:15-16	ति1:16-17	ति2:15-16	ति3:15-16	ति4:15-16	ति1:16-17
वृद्धि	29.1	28.7	31.3	29.9	47.1	49.1	52.1	51.2
समान	50.4	50.2	48.9	51.8	42.4	40.4	39.3	39.9
गिरावट	20.5	21.1	19.8	18.4	10.5	10.5	8.6	8.9
निवल प्रतिक्रिया	**8.6**	**7.7**	**11.6**	**11.5**	**36.6**	**38.6**	**43.5**	**42.3**

सारणी 3: खर्च के संबंध में दृष्टिकोण

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

	1 वर्ष पूर्व से तुलना				1 वर्ष आगे			
	ति2:15-16	ति3:15-16	ति4:15-16	ति1:16-17	ति2:15-16	ति3:15-16	ति4:15-16	ति1:16-17
वृद्धि	81.0	78.7	78.0	82.7	80.9	79.3	78.5	82.2
समान	10.7	9.8	9.9	8.4	11.2	10.1	10.6	10.2
गिरावट	8.2	11.5	12.1	8.8	7.9	10.6	11.0	7.6
निवल प्रतिक्रिया	**72.8**	**67.2**	**65.9**	**73.9**	**73.0**	**68.6**	**67.5**	**74.6**

सारणी 4: आवश्यक वस्तुएं -खर्च के संबंध में दृष्टिकोण

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

	1 वर्ष पूर्व से तुलना				1 वर्ष आगे			
	ति2:15-16	ति3:15-16	ति4:15-16	ति1:16-17	ति2:15-16	ति3:15-16	ति4:15-16	ति1:16-17
वृद्धि	82.0	81.4	79.6	83.0	80.1	81.5	78.6	81.1
समान	9.7	9.0	9.3	8.2	11.6	9.4	11.9	10.6
गिरावट	8.4	9.6	11.1	8.8	8.3	9.1	9.6	8.3
निवल प्रतिक्रिया	**73.6**	**71.8**	**68.5**	**74.3**	**71.9**	**72.4**	**69.0**	**72.8**

सारणी 5: गैर-आवश्यक वस्तुएं-खर्च के संबंध में दृष्टिकोण

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

	1 वर्ष पूर्व से तुलना				1 वर्ष आगे			
	ति2:15-16	ति3:15-16	ति4:15-16	ति1:16-17	ति2:15-16	ति3:15-16	ति4:15-16	ति1:16-17
वृद्धि	41.2	45.3	37.7	43.9	44.0	49.2	44.7	51.2
समान	35.0	28.9	31.7	32.3	34.2	28.6	33.2	30.3
गिरावट	23.8	25.8	30.6	23.8	21.8	22.2	22.1	18.5
निवल प्रतिक्रिया	**17.4**	**19.5**	**7.1**	**20.1**	**22.2**	**27.1**	**22.6**	**32.7**

सारणी 6: मूल्य स्तर के संबंध में दृष्टिकोण

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

	1 वर्ष पूर्व से तुलना				1 वर्ष आगे			
	ति2:15-16	ति3:15-16	ति4:15-16	ति1:16-17	ति2:15-16	ति3:15-16	ति4:15-16	ति1:16-17
वृद्धि	80.9	79.5	77.3	78.1	78.0	78.9	78.6	80.5
समान	9.4	10.9	12.4	12.5	12.4	11.7	11.7	11.5
गिरावट	9.8	9.6	10.4	9.4	9.5	9.4	9.7	8.0
निवल प्रतिक्रिया	**-71.1**	**-70.0**	**-66.9**	**-68.7**	**-68.5**	**-69.5**	**-68.8**	**-72.6**

टिप्पणी: मूल्यों में वृद्धि/कमी से संबंधित दृष्टिकोण को नकारात्मक/सकारात्मक संवेदना माना गया है।

सारणी 7: मूल्य स्तर में परिवर्तन दर के संबंध में दृष्टिकोण (मुद्रास्फीति)

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

	1 वर्ष पूर्व से तुलना				1 वर्ष आगे			
	ति2:15-16	ति3:15-16	ति4:15-16	ति1:16-17	ति2:15-16	ति3:15-16	ति4:15-16	ति1:16-17
वृद्धि	82.7	86.3	82.7	85.3	81.1	85.4	82.4	83.3
समान	14.6	10.8	13.9	12.4	16.3	11.7	13.2	13.0
गिरावट	2.7	2.9	3.4	2.3	2.6	2.8	4.4	3.7
निवल प्रतिक्रिया	**-80.0**	**-83.4**	**-79.3**	**-83.0**	**-78.5**	**-82.6**	**-78.0**	**-79.6**

टिप्पणी: मुद्रास्फिति में वृद्धि/कमी से संबंधित दृष्टिकोण को नकारात्मक/सकारात्मक संवेदना माना गया है।

सारणी 8: रोजगार के संबंध में वर्तमान एवं भावी दृष्टिकोण

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

	1 वर्ष पूर्व से तुलना				1 वर्ष आगे			
	ति2:15-16	ति3:15-16	ति4:15-16	ति1:16-17	ति2:15-16	ति3:15-16	ति4:15-16	ति1:16-17
वृद्धि	31.9	34.0	34.3	35.6	47.1	51.6	50.4	51.1
समान	34.8	34.7	31.1	28.7	33.4	29.8	31.4	29.6
गिरावट	33.3	31.3	34.6	35.7	19.5	18.7	18.1	19.3
निवल प्रतिक्रिया	**-1.4**	**2.6**	**-0.3**	**-0.2**	**27.6**	**32.9**	**32.3**	**31.8**

टिप्पणी: वर्तमान रोजगार दृष्टिकोण के संबंध में प्रतिक्रिया ति2: 2012-13 से जुटाई गई है।

सारणी 9: आय और व्यय की तुलनात्मक सारणी

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

आय \ व्यय		वर्तमान आय बनाम वर्तमान व्यय			भावी आय बनाम भावी व्यय		
		वृद्धि	समान	गिरावट	वृद्धि	समान	गिरावट
ति2: 2015-16	वृद्धि	25.2	2.5	1.4	40.1	3.9	3.1
	समान	39.8	6.1	4.6	33.1	6.0	3.3
	गिरावट	16.0	2.2	2.2	7.7	1.2	1.5
ति3: 2015-16	वृद्धि	23.9	2.3	2.5	40.7	3.7	4.8
	समान	38.9	5.8	5.5	31.1	5.4	3.8
	गिरावट	15.9	1.7	3.5	7.4	1.0	2.1
ति4: 2015-16	वृद्धि	25.3	2.3	3.8	43.0	3.7	5.4
	समान	37.9	5.8	5.2	28.8	6.3	4.2
	गिरावट	14.9	1.8	3.2	6.7	0.6	1.3
ति1: 2016-17	वृद्धि	25.8	2.3	1.8	43.6	4.2	3.4
	समान	42.3	5.1	4.3	32.0	4.9	3.0
	गिरावट	14.6	1.0	2.7	6.6	1.1	1.2

सारणी 10: मुद्रास्फीति और व्यय की तुलनात्मक सारणी

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

मुद्रास्फिति \ व्यय		वर्तमान मुद्रास्फीति बनाम वर्तमान व्यय			भावी मुद्रास्फीति बनाम भावी व्यय		
		वृद्धि	समान	गिरावट	वृद्धि	समान	गिरावट
ति2: 2015-16	वृद्धि	74.5	6.2	2.0	72.3	6.9	1.9
	समान	12.0	2.2	0.4	13.7	1.8	0.8
	गिरावट	2.1	0.3	0.3	2.1	0.3	0.2
ति3: 2015-16	वृद्धि	76.5	6.7	3.1	76.2	6.1	3.2
	समान	9.1	1.3	0.4	9.8	1.6	0.4
	गिरावट	1.9	0.3	0.6	2.0	0.4	0.5
ति4: 2015-16	वृद्धि	74.0	6.3	2.4	73.7	7.0	1.7
	समान	12.0	1.6	0.2	11.5	1.3	0.4
	गिरावट	2.6	0.5	0.4	3.2	0.3	0.9
ति1: 2016-17	वृद्धि	79.1	5.0	1.2	76.4	5.8	1.1
	समान	10.8	1.4	0.3	11.3	1.4	0.3
	गिरावट	1.8	0.3	0.1	2.9	0.5	0.4

टिप्पणी: पंक्तियों का जोड़ व्यय संबंधी सारणी के जोड़ से मेल नहीं खाता (सारणी 3) क्योंकि मुद्रास्फीति के बारे में प्रतिक्रिया केवल उन प्रतिक्रियाओं से मांगी गई जिनके मूल्यांकन/प्रत्याशा के अनुसार मूल्यों में वृद्धि हुई है?वर्तमान या भावी अवधि में वृद्धि होगी।

सारणी 11: वर्तमान एवं भावी अपेक्षाओं का सूचकांक

	ति2: 12-13	ति3: 12-13	ति4: 12-13	ति1: 13-14	ति2: 13-14	ति3: 13-14	ति4: 13-14	ति1: 14-15	ति2: 14-15	ति3: 14-15	ति4: 14-15	ति1: 15-16	ति2: 15-16	ति3: 15-16	ति4: 15-16	ति1: 16-17
सीएसआई	105.2	105.3	100.1	101.0	87.2	91.6	98.6	98.6	103.1	105.5	108.6	107.7	102.9	102.9	104.1	105.0
एफईआई	104.7	102.1	100.4	106.2	87.7	96.9	109.7	117.7	118.6	118.3	126.7	124.2	119.2	120.0	122.2	122.0

टिप्पणी: 2012-13 की दूसरी तिमाही से पहले सीएसआई आर्थिक स्थितियों, आय, खर्व एवं मूल्य स्तर पर आधारित था। वर्तमान अवधि के लिए रोजगार परिदृश्य संबंधि दृष्टिकोण 2012-13 की दूसरी तिमाही से पहले जुटाया नहीं गया था। सीएसआई एवं एफईआई के तुलना योग्य आंकड़ोंका पुनर्परिकलन किया गया है और हो सकता है कि पूर्व में प्रकाशित आंकड़ें से मेल नहीं खाए।

सारणी 12: 10, 000 पुन: नमूनों पर आधारित 99% बूटस्ट्रैप विश्वास अंतराल (बीसीआई)

सर्वेक्षण तिमाही	सीएसआई		एफईआई	
	आकलन हेतु 99% बीसीआई	अंतराल की चौड़ाई	आकलन हेतु 99% बीसीआई	अंतराल की चौड़ाई
ति2:15-16	(101.9, 103.9)	1.9	(118.3, 120.2)	1.9
ति3:15-16	(101.9, 103.9)	2.0	(119.0, 121.0)	2.0
ति4:15-16	(103.1, 105.0)	1.9	(121.3, 123.1)	1.8
ति1:16-17	(104.0, 105.9)	1.9	(121.0, 122.9)	1.9

अनुबंध 2 : कार्य-प्रणाली

वर्तमान स्थिति सूचकांक और भावी प्रत्याशा सूचकांक

मानक मत सर्वेक्षण में, आमतौर पर प्रतिक्रियादाताओं को उत्तर देने के लिए तीन विकल्प दिए जाते हैं जैसे ऊपर/सामान्य/नीचे, अथवा सामान्य से अधिक/सामान्य/सामान्य से कम अथवा अधिक/सामान्य/कमी। इन तीनों प्रतिशतों की व्याख्या करने की कठिनाई के कारण, सर्वेक्षण के परिणामों को सामान्यतया एक अंक की संख्या में परिवर्तित किया जाता है। सामान्य रूप से इस्तेमाल किया जानेवाला एक तरीका यह है-' निवल प्रतिक्रिया (इसे - 'बैलेंसेस' या 'निवल बैलेंसेस' भी कहते हैं)। इसे इस प्रकार से परिभाषित किया गया है-प्रतिक्रियादाताओं द्वारा रिपोर्ट की गई कमी (ऋणात्मक) के प्रतिशत को, वृध्दि (धनात्मक) रिपोर्टिंग प्रतिशत में से घटाना। निवल प्रतिक्रिया का उपयोग उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण परिणामों के विश्लेषण करने के लिए किया गया है। उपभोक्ता विश्वास दृष्टिकोणों को विभिन्न कारकों से जोड़ने के लिए दो प्रकार के सूचकांक प्रयोग में लाए जा रहे हैं। इनमें से एक है वर्तमान स्थिति का सूचकांक जो एक वर्ष पहले की तुलना में वर्तमान स्थिति को प्रस्तुत करते हैं और दूसरा है भावी प्रत्याशा सूचकांक जो एक वर्ष आगे की प्रत्याशा को प्रदर्शित करता है। सूचकांक की गणना के लिए निम्नलिखित फार्मूला का उपयोग किया गया है।

समग्र सूचकांक= 100+ औसत (चयनित कारकों को निवल प्रतिक्रियाएं)

जिसमें निवल प्रतिक्रिया= सकारात्मक दृष्टिकोण (%)-ऋणात्मक दृष्टिकोण (%)

वर्तमान स्थिति सूचकांक की गणना के लिए विभिन्न कारकों से संबंधित वर्तमान दृष्टिकोण की औसत प्रतिक्रिया का उपयोग किया जाता है अर्थात् आर्थिक स्थिति आय, व्यय, मूल्य स्तर और रोजगार।

भावी प्रत्याशा सूचकांक के आकलन के लिए विभिन्न कारकों से संबंधित भावी दृष्टिकोण की औसत निवल प्रतिक्रिया का उपयोग किया जाता है अर्थात् आर्थिक स्थिति, आय, व्यय, मूल्य-स्तर और रोज़गार।

---

[1] 2012-13 की दूसरी तिमाही से 2014-15 की तीसरी तिमाही के चक्र तक उपभोक्ता विश्वास सूचकांक (सीएसआई और एफईआई) आर्थिक स्थिति, पारिवारिक परिस्थिति, आय, खर्च, रोज़गार स्थिति और मूल्य स्तर संबंधी निवल प्रतिक्रियाओं पर आधारित थे।

[2] 2012-13 की दूसरी तिमाही के चक्र से पहले, सीएसआई आर्थिक स्थिति, पारिवारिक परिस्थिति, आय, खर्च एवं मूल्य स्तर संबंधी निवल प्रतिक्रियाओं पर आधारित था; और एफईआई आर्थिक स्थिति, आय, खर्च, रोज़गार स्थिति एवं मूल्य स्तर संबंधी निवल प्रतिक्रियाओं पर आधारित था।